सही बातें
चातुर्य

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण 108 आदित्यसागरजी

प्रकाशक

समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
चातुर्य

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
चातुर्य

जरूरी नहीं
आप हर कार्य में कुशल हों,
इसलिये
काम निकालने के लिये
कभी-कभी
चतुराई भी जरूरी होती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो लोग
पढ़ाई तो करना चाहते हैं,
परन्तु
परीक्षा से डरते हैं
वे लोग जीवन भर
असफल ही रहते हैं;
क्योंकि
परीक्षा होने पर ही
ज्ञान और व्यक्ति प्रमाणित होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

सच्चा मित्र बनना
सरल नहीं है,
क्योंकि
जो संकटों में काम आये,
जो हमारी कमियाँ सुधारे,
जो पतन से बचाये,
जो सही सलाह दे,
जो भले ही लगे प्रतिकूल
पर हो अनुकूल;
वही है सच्चा मित्र ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर बुद्धि है
तो छोटे से इशारे से भी
बात की गहराई तक
पहुँचा जा सकता है,
अगर
बुद्धि नहीं है
तो बड़े-बड़े व्याख्यान भी
कुछ नहीं कर सकते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अकसर
जिन्हें हम शत्रु मानते हैं
वे मित्र निकलते हैं,
और
जिन्हें हम मित्र मानते हैं
वे शत्रु निकलते हैं;
वास्तविकता में
यह हमारे
गलत निर्णय का प्रतिफल है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो कृत्य
आपने ही किये हैं
उन पर रोते क्यों हो,
हाँ !
अगर कुछ करना हो तो
होने वाले कृत्यों का
सुधार करो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अधिक भोलापन भी
हानिकारक है,
क्योंकि
लोग बड़े कुटिल हैं
और
समय बड़ा खराब है;
इसलिये
भोले भी रहें और चतुर भी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

ईमानदार लोगों को
कई बार
यह लगता है कि
बेईमानी ही ठीक है,
लेकिन
उन्हें थोड़ा
सब्र रखना चाहिये;
क्योंकि
ईमानदारी का फल
सदैव मीठा ही होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

हाथ की लकीरों पर
ज़्यादा गौर मत करिये जनाब,
उन्हें बनाना और बिगाड़ना
हमारे ही हाथों में है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो लोग
ज़्यादा बोलते हैं
उन्हें लोग कम सुनते हैं,
जो लोग
कम बोलते हैं,
उन्हें सुनने के लिये
लोग तरसते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

सफल होने वाला
अगर रिश्ते–नाते
दोस्ती–शौक
तमन्ना और ज़िन्दगी को
दाँव पर लगा देता है,
तो वह सफल होकर भी
असफल ही है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर आप
समझदार हैं
तो कभी मत कहें
मैं समझदार हूँ,
आप तो
ऐसा काम करें
जिससे लोग कहें
आप समझदार हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

तनाव को दूर करने का
सबसे सही उपाय
सही चुनाव है,
अगर चुनाव सही
तो तनाव नहीं
और
चुनाव नहीं
तो तनाव वहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आपकी हज़ारों अच्छाइयाँ
दुनिया को
याद नहीं रहती है,
पर
आपकी एक भूल को
दुनिया कभी
भुला नहीं पाती है,
इसमें किसी की भी
कोई गलती नहीं है,
यह तो
पहले से चला आ रहा है
और
आगे भी चलता रहेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर आपका
नज़रिया सही है
तो आपको
दुनिया की हर चीज़
सही नज़र आयेगी,
इसलिये
दुनिया को नहीं
नज़रिये को सुधारिये
दुनिया सुधरी नज़र आयेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

मुसीबतें
आपके साहस
और
हौसलों को
बढ़ाने के लिये आती हैं,
साहस और हौसलों को
बढ़ाने की चाह हो
तो मुसीबतों से डरें नहीं
उनका स्वागत करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अकसर रूठापन
नफरत की दीवार
खड़ी कर देता है
या
समुंदर सी
दूरियाँ बना देता है,
इसलिये
आपके अपने
जब भी रूठें
तो उन्हें फौरन ही मना लें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर आप
दूसरों से जलते हैं
तो समझ लेना
आप ज़िंदा होकर भी
मरे के समान हैं,
क्योंकि
जलते वो ही हैं
जो मर जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

त्याग से
शान्ति बढ़ती है
और अभिमान घटता है,
फिर भी अगर
त्याग से
अभिमान बढ़े
और
शान्ति घटे,
तो समझ लेना
वह त्याग नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

दिल से किये
प्रश्नों का जवाब
दिल से देना चाहिये
और
दिमाग से किये
प्रश्नों का जवाब
दिमाग से,
ऐसा करने से
आपका व्यक्तित्व
अच्छा बना रहेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

खराब समय में भी
खराब शब्दों का प्रयोग
नहीं करना चाहिये,
क्योंकि
समय खराब हो या अच्छा,
पर
खराब शब्द
आपकी छवि को खराब कर देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अच्छे लोगों की पहचान
अच्छे वस्त्रों से नहीं
अच्छे शब्दों से होती है,
क्योंकि
अच्छे वस्त्र तो
पुतले भी पहन लेते हैं,
पर
अच्छे शब्द
अच्छे लोग ही बोल पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अनुभवी व्यक्ति के निर्णय
अकसर सही होते हैं,
मगर
अनुभवी वही बनता है
जो पहले
गलत निर्णय ले चुका हो,
इसीलिये
आज के गलत निर्णयों पर
मत रोइये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

खाली पेट होने पर
आप रोटी की कीमत समझते हैं
और
अकेले रह जाने पर
आप रिश्तों की कीमत समझते हैं;
शायद इसीलिये
खराब समय भी अच्छा है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

रिश्तों में
नयापन बनाये रखने के लिये
थोड़ी बहुत
नोक-झोंक जरूरी है,
मगर ध्यान रखें
नोक-झोंक
नोक-झोंक तक ही रहे
तू-तू, मैं-मैं तक न पहुँच जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जिन्हें चाह है
मंज़िल को पाने की
वो रास्तों को
उनकी रुकावटों को नहीं देखते,
जो देखते हैं
रुकावटों को
वो अकसर
रास्तों पर ही अटक
जाया करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो लोग
आपसे ईर्ष्या करते हैं
उनके बारे में
सोच-सोच कर
समय नष्ट करने की जगह,
जो लोग
आपको प्रोत्साहित करते हैं
उनकी बातों के बारे में सोचिये
समझदारी इसी में है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो लोग
लकीरों को ही देखते रहते हैं
वो एक दिन
फकीरों के साथ
खड़े मिलते हैं,
मैं मानता हूँ
लकीरें गलत नहीं होती,
मगर
जो लकीरों में लिखा है
उसे साकार करने के लिये
पुरुषार्थ भी बहुत जरूरी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुछ लोग
बनाये रास्तों पर चलते हैं
और
कुछ लोग रास्ता बनाकर चलते हैं,
आपको लगता होगा
बनाये रास्तों पर चलने वाले
किस्मत वाले हैं
मगर मेरी सोच है–
रास्ता बनाकर चलना
हर किसी के
बस की बात नहीं है;
ये तो सिर्फ
किस्मत वाले ही कर पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

इस दुनिया में
ज़्यादातर लोग
समय बर्बाद करने में माहिर हैं,
कुछ ही लोग
ऐसे होते हैं
जिनमें समय बचाने की
कला होती है,
शायद इसलिये
दुनिया में
कुछ ही लोगों का
नाम चलता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कभी-कभी
गुस्सा और हसी भी
अच्छे होते हैं,
क्योंकि
जो बातें लोग आपसे
शान्त रहने पर नहीं कहते,
वो बातें लोग
गुस्से या हसी में
कह जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अपने दुःखों को
शिकायत करके
व्यर्थ न करें,
इसे तो
बड़े ही अच्छे से
अपने पास रखें,
क्योंकि
दुःख के दिन ही
सुख के दिनों के बीज हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कभी किसी को
दुःखी नहीं करना चाहिये,
पर
उन लोगों का
विशेष ध्यान रखना चाहिये-
जो किसी को
दुःख नहीं देते,
क्योंकि
अच्छे लोगों को
अच्छे से रखना
इतना कर्तव्य तो
हर किसी का बनता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो आपके
माता–पिता चाहते हैं,
अगर
वो आप न कर सकें
तो कम से कम
वो मत करना
जो वो नहीं चाहते हैं,
ठीक ही है–
अगर आप किसी को
सुख नहीं दे सकते हैं,
तो कम से कम
दुःख तो मत दीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

भीड़ में मुस्कुराना
खुश होने की
निशानी नहीं है,
जो अकेले में भी
मुस्कुरा ले
वो ही खुश लोग हैं,
यह बात
आप तभी समझ पायेंगे
जब आप
अकेले में भी मुस्कुरायेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

बचपन में
की गई गलतियों को
लोग माफ कर देते हैं,
पर
पचपन में
की गई गलतियों को
कोई नहीं भूलता,
इसलिये
बचपन कैसा भी जियें
पर
पचपन की उम्र को
बहुत संभल कर जियें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

यह आपके ऊपर है कि
आप शब्दों का प्रयोग
सुई की तरह
जोड़ने में करते हैं,
या फिर
कैंची की तरह
अलग करने में,
शब्द में वह ताकत है
जो टूटे रिश्तों को
जोड़ भी सकते हैं
और
जुड़े रिश्तों को
तोड़ भी सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर आप
समय के पाबंद नहीं है
तो आप
लाख तरक्की कर लें,
मगर
लोगों की नज़रों में
आप तरक्की नहीं कर सकते,
क्योंकि
जो समय की कीमत नहीं करते
लोग भी
उनकी कीमत नहीं करते...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर
दूसरों के गुण
आप भी पाना चाहते हैं
तो उन्हें देखिये
उनको पाने का अभ्यास कीजिये,
क्योंकि
गुणों का विकास
और
अवगुणों का ह्रास
अभ्यास से ही होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुछ लोग
बाहर की सुन्दरता के लिये
बहुत कुछ करते हैं,
मगर
अन्दर की सुन्दरता के लिये
रंच मात्र भी फिक्र नहीं करते हैं,
ऐसे लोगों को
मन की सुन्दरता पर भी
ध्यान देना चाहिये;
क्योंकि
जब जड़ सुरक्षित रहती है
तब ही वृक्ष पर
सुन्दर फल आते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

बच्चों का दिमाग
खाली कॉपी की तरह है,
आप चाहें तो उसमें
दुर्गुणों की
आड़ी-तिरछी लाइनें खीच सकते हैं
और
आप चाहें तो उसमें
गुणों की
कवितायें भी लिख सकते हैं,
बच्चों का भविष्य
उनकी योग्यता के साथ-साथ
आपके संस्कारों पर भी
निर्भर करता है

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

हमारी ज़िन्दगी
खाली पुस्तक की तरह होती है,
अगर एक पन्ने पर
गलत लिख जाये
तो शीघ्र ही
अगला पन्ना पलटा लीजिये,
और उसमें
नई शुरुआत कीजिये;
देखियेगा
कुछ दिन बाद
सिर्फ अच्छे अच्छे पन्ने ही
नज़र आयेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

तेज़ी और मंदी
केवल बाज़ार में ही नहीं
आपके भावों की
विशुद्धि में भी आती है,
जब भी तेज़ी आये
तब फूलिये नहीं
और
जब भी मंदी आये
तब कूलिये नहीं;
क्योंकि
तेज़ी–मंदी तो
आती ही रहती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुछ लोग
मात्र पैसों को ही
बहुमान देते हैं,
लेकिन
अनुभव या सीख से
उन्हें कुछ भी लेन-देन नहीं होता
ऐसे लोग
पैसे कमाने के बाद भी
गरीब ही रहते हैं,
क्योंकि दुनिया में
अनुभव या सीख से बड़ी कमाई
कुछ भी नहीं होती...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जब आप
किसी काम को करने में
सक्षम नहीं होते हैं,
तो अकसर आप
अपनी गलतियाँ न देखकर
उस काम में ही
गलतियाँ ढूँढ़ते हैं,
लेकिन
ऐसा करने से
काम तो सरल नहीं होंगे,
पर आपकी आदत
जरूर बिगड़ जायेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आपकी प्रवृत्ति से
मनुष्य क्या
पशु-पक्षी क्या
वृक्ष भी आकर्षित होते हैं,
इसलिये
अपनी प्रवृत्ति को
सरल,
सहज
और
हर्षित बनाकर रखें,
वरना मनुष्य क्या
पशु-पक्षी भी
आपके आस-पास नहीं भटकेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आप
जब भी किसी चीज़ को
पाने की इच्छा से
उसके पीछे भागते हैं,
वह चीज़ आपसे
उतनी ही दूर चली जाती है,
इसलिये
पाने की इच्छा छोड़कर
उसे पाने के लिये
मेहनत प्रारंभ करें,
शीघ्र ही वह चीज़
आपके हाथों में होगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

इस जीवन में
जब भी आपको
किसी चीज़ का
अभाव महसूस होता है,
तब आप
तुरन्त ही उसकी पूर्ति में
जुट जाते हैं
और
वहीं से आपका
विकास प्रारंभ हो जाता है;
इसलिये
विकास के लिये
ढूँढ़िये अभाव को...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

मैं हर काम करने में
सक्षम हूँ,
ऐसा विचार
अगर आपका है
तो आप आत्मविश्वासी हैं,
लेकिन
सिर्फ मैं ही
हर काम करने में सक्षम हूँ,
ऐसा विचार
अगर आपका है
तो आप अहंकारी हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अकसर यही होता है
हम सभी के साथ,
जब हमारे पास चीज़ होती है
तब हमारे पास कद्र नहीं होती,
जब हम कद्र प्रारंभ करते हैं
तब तक
चीज़ हमारे हाथ से निकल जाती है;
कम से कम
पछताने के बाद ही सही
इस बात से सीख जरूर लें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

भाषण और भोजन
ये दो ऐसी चीज़ें हैं
जिसमें आप
अमृत भी भर सकते हैं
और
ज़हर भी;
जिनके पास अमृत होता है
वो लोग अमृत भरते हैं
और
जिनके पास ज़हर होता है
वो लोग ज़हर भरते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुछ लोग
सपने तो ऊँचे देखते हैं,
परन्तु
धर्म के बिना
उन्हें पाने की चाह कर बैठते हैं,
ऐसे लोगों के लिये
मेरे मन में यही विचार आता है-
फुर्सत नहीं
घर से मंदिर जाने की
और ख्वाहिशें हैं
रेगिस्तान को कश्मीर बनाने की...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुटिल व्यक्ति
सुन्दर वाणी
और
सुन्दर मुख वाला तो हो सकता है,
परन्तु
सुन्दर हृदय वाला होना
उसके नसीब में नहीं है,
सुन्दर हृदय की प्राप्ति
सुन्दर वाणी
या
सुन्दर चेहरे से नहीं
सुन्दर भावों से होती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आपके जीवन में
आने वाला दुःख
और
दुःख देने वाला
महत्त्वपूर्ण नहीं है,
महत्त्वपूर्ण है
उसके प्रति आपकी भावना,
अगर आप भी
उसे दुःखी देखना चाहते हैं
तो समझ लेना
आप में और उसमें
सिर्फ नाम का ही अंतर है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

पैसे इकट्ठा करने की जगह
गुणों को इकट्ठा करें,
भले ही आप
पैसों की कीमत ज़्यादा करें
परन्तु
कीमत गुणों की ही ज़्यादा होती है,
गुणों से
पैसे इकट्ठे किये जा सकते हैं;
परन्तु
पैसों से
गुण इकट्ठे नहीं किये जा सकते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

संतुष्टि
एक ऐसा मंत्र है
जो आपको कभी
दुःखी नहीं रहने देगा,
संतुष्टि
आपके पास है
तो आप दुनिया के
सबसे बड़े सुखिया हैं,
अगर नहीं है
तो आप से बड़ा दुःखिया
दुनिया में और कोई नहीं होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुछ लोग भगवान से
सुख माँगते हैं
और
कुछ लोग सम्पत्ति माँगते हैं,
मगर मेरा मानना है–
भगवान से
न तो सुख माँगिये न ही संपत्ति
माँगना ही है–
तो शान्ति माँगिये;
क्योंकि
शान्ति के बिना सुख–सम्पत्ति
किसी काम की नहीं रहती...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कुछ लोगों को
केवल दूसरों के अवगुण दिखते हैं
और
कुछ लोगों को
केवल गुण ही दिखते हैं,
गलती किसी की नहीं है
सबका अपना-अपना स्वभाव है;
गाय को घास दिखती है
और
गधे को मल दिखता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

दूसरों के
दोष देखने से
आप निर्दोष नहीं हो पायेंगे,
अगर आपको
निर्दोष होना है
तो दूसरों के नहीं
अपने दोषों को देखिये;
ध्यान रखें –
दूसरों का
चेहरा साफ करने से
आप कभी
सुन्दर नहीं हो सकते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

सहायता
दो प्रकार की होती है
एक पैसे की
और
दूसरी ज्ञान की,
आप से पूछेंगे
तो आप पैसों की सहायता को
सही मानेंगे,
मगर
मेरे नज़रिये से ज्ञान की सहायता
ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है,
क्योंकि
पैसों से ज्ञान नहीं कमाया जाता,
पर ज्ञान से
पैसे कमाये जा सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कौन सही है
और
कौन गलत है
यह बात लड़ाई बढ़ाती है,
क्या सही है
और
क्या गलत है
यह बात लड़ाई खत्म करती है,
जिन्हें भी
लड़ाई खत्म करना हो-
उन्हें कौन शब्द की जगह
क्या का प्रयोग
प्रारम्भ कर देना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

इस दुनिया में रहकर
अगर आप
सुख की चाह कर रहे हैं,
तो आप
धूल में लट्ठ घुमा रहे हैं,
अगर भाग्य से
सुख के क्षण आते भी हैं
तो एक–दो
शेष समय तो दुःख ही दुःख है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

लोग आप से जुड़ें
ये तो अच्छा है,
मगर
आप लोगों से जुड़ें
ये अच्छा नहीं है,
क्योंकि
जब तक लोग आप से जुड़े हैं
तब तक आप सुखी हैं,
जिस दिन
आप लोगों से जुड़ जायेंगे,
उस ही दिन से
दुःख प्रारम्भ हो जायेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कर्म को गाली मत देना
क्योंकि
कर्म की
कोई भी गलती नहीं होती,
कर्म तो
बैंक की तरह है
जैसा आप जमा करेंगे
वैसा वह वापस करेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आज के समय में
सब कुछ बिक रहा है
ज्ञान, पूजा, भोजन
यहाँ तक की
पानी और नमक भी बिक रहा है
और तो और
अब इंसानियत भी बिक चुकी है,
लेकिन
भाग्य और भगवान
अभी तक नहीं बिके
और
न ही कभी बिक पायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

सच्चे लोगों को
बहुत कम लोग पसंद करते हैं,
और
झूठे लोगों को
बहुत लोग पसंद करते हैं,
मगर
मुझे इसकी चिंता नहीं है,
क्योंकि
जैसे लोग होते हैं
उन्हें वैसे ही लोग पसंद आते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

भाग्य को
अपना मित्र बना लो,
भाग्य का खेल
बहुत निराला है,
जो बोरा भर गेहूँ उठाता है
उसके पास
खरीदने की ताकत नहीं है
और
जो खरीदने की ताकत रखता है
उसके पास
उठाने की ताकत नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आज तक
न कोई कभी संतुष्ट हुआ है
न ही कभी होगा,
गरीब
अमीरी के लिये रो रहे हैं
अमीर
शान्ति के लिये रो रहे हैं
कुँवारें
शादी के लिये मचल रहे हैं
और
शादीशुदा
पत्नी से छूटने के लिये मचल रहे हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर किसी पतले को
मोटा होना हो
तो उसके लिये सलाह है
खाना
और
किसी मोटे को
पतला होना हो .
तो उसके लिये सलाह है
खा ना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

शादी के पहले
कुँवारे सोचते हैं
बेगम आयेगी
तो हम बे–गम हो जायेंगे,
पर
शादी होते ही
मालूम चल गया
बेगम के आते ही
गम तो बढ़ गया,
ऊपर से
दम–खम अलग चला गया...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

किसी हास्य कवि से
भूगोल छात्र ने पूछा-
दुनिया गोल है
या चपटी
आपकी राय क्या है?
हास्य कवि ने कहा-
न गोल
न ही चपटी
दुनिया तो 420 है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

इंसान पर
किया गया विश्वास
एक दिन जरूर टूटता है,
परन्तु
भगवान पर
किया गया विश्वास
कभी नहीं टूटता है,
फिर भी
समय की बलिहारी देखिये-
लोग भगवान पर कम
इंसानों पर
ज़्यादा विश्वास करते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

सफलता के लिये
उम्र से ज़्यादा
जुनून की जरूरत है,
अगर
छोटी उम्र में बड़ा जुनून है
तो आपको सफल होने से
कोई नहीं रोक सकता है
और
बड़ी उम्र में भी जुनून छोटा है,
तो आपको असफल होने से
कोई नहीं बचा सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो परिस्थितियाँ
आपके वश में न हों
उन परिस्थितियों में
रोने की जगह
शान्त भाव धारण करें,
रोने से
बिगड़ी परिस्थितियाँ
और बिगड़ जाती हैं;
लेकिन
शान्त रहने से
बिगड़ी परिस्थितियाँ भी
सुधर जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जब भी स्वयं से
कोई गलती होती है,
तब आप उसकी सजा
तुरन्त क्या,कभी नहीं चाहते हैं,
लेकिन
जब भी दूसरों से
कोई गलती होती है
तब आप उसकी सज़ा
तुरन्त चाहते हैं;
आप ही सोचिये
आप ऐसा करके
सही करते हैं या गलत...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर आप
डर और चिंतायें
घटना चाहते हैं,
तो आपको
तृष्णायें घटाना होंगी
जैस-जैसे तृष्णा घटती है
वैसे-वैसे
चिंता और डर का रोग भी
घटता जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आज के लोग
धर्म और इंसानियत में
इंसानियत को
बड़ा मानते हैं,
शायद
धर्म को न समझने के कारण
ऐसा हो रहा है,
असल में
इंसानियत कुछ और नहीं
धर्म का ही एक हिस्सा है,
इंसानियत का पालन करके
आप पूर्ण धर्म को नहीं
धर्म के हिस्से को पालते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

जो लोग
बात–बात पर रोते हैं,
ऐसे लोग
न तो स्वयं
ज़्यादा तरक्की करते हैं
न ही दूसरों को
तरक्की करने देते हैं,
रोकर
वे अपनी तरक्की में
रुकावट उत्पन्न करते हैं
और
मनवाकर
दूसरों की तरक्की में...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

अगर आपने
अपने दोषों को नहीं सुधारा है
तो आपको
दूसरों को दोष देने का
कोई अधिकार नहीं है,
यह पढ़ने के बाद भी
अगर आप दोष देते हैं,
तो आप अपने पैरों पर
स्वयं कुल्हाड़ी मार रहे हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

मीठे वचन
जिसकी भी जुबान पर रहते हैं,
दुनिया उसकी
दीवानी रहती है,
भले ही वह
कैसा ही दिखे,
पर दुनिया उसे
अच्छा ही देखती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

बिना पूछे
किसी भी बात का
उत्तर मत दीजिये,
बिना पूछे नहीं बोलने वाला
बुद्धिमानों में बुद्धिमान है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

यारो!
अपने संकल्प को
दृढ़ बनाकर चलो,
मंज़िल उसे ही मिलती है
जिसका संकल्प दृढ़ होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

हमारा चेहरा
हमारा व्यवहार
हमारे अंतर्मन का दर्पण है,
इसलिये
चेहरे और व्यवहार की
सुंदरता के लिये
अंतर्मन को सुंदर बनाइये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

बहुत से काम
मुझे पसंद नहीं
फिर भी उन्हें
मैं अपनों के खातिर कर देता हूँ,
क्योंकि
अपनों की खुशियाँ
मुझे पसंद है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

पैसों से
ज़्यादा कीमती
भावनायें हैं
इसीलिये
चाहे जो हो जाये
परंतु
किसी की भावनाओं को
ठेस नहीं पहुँचाना ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

संबंधों को
बनाये रखने के लिये
अपनों को नहीं
अपने आपको सुधारिये
और
आपके अपने जैसे हैं
उन्हें वैसा ही स्वीकारिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कहना सरल है
सुनना कठिन है,
परंतु
जिसने सुनना सीखा है
लोगों ने भी
उसे ही सुनना पसंद किया है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

मैं
बुरे समय को
बुरा नहीं
अच्छा ही मानता हूँ,
बुरा समय
कुछ अच्छा
सिखाने के लिये ही आता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

आज से आप
कुछ ऐसा नया
उपक्रम भी करें,
जो आपको बद्दुआ देते हैं
उन्हें भी दुआ दिया करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

परायों से
आप कुछ माँगेंगे
तो वे गलतियाँ
याद दिला देंगे,
मगर
माँगी हुई चीज़
कभी नहीं देंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
चातुर्य

कामयाब लोग
अकेले ही चलते हैं
और
कामयाब होने के बाद
दुनिया उनके साथ चलती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर